अमर उजाला

बरेली
बुधवार, 14 जुलाई 2021
आषाढ़ शुक्ल-चतुर्थी
विक्रम संवत-2078

एसआरएमएस रिद्धीमा में मंगलवार को नाटक ढर्रा का मंचन करते कलाकार। अमर उजाला

रिद्धिमा में मंचन

महिलाओं की प्रताड़ना की कहानी बयान कर गया 'ढर्रा'

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में 'ढर्रा' नाटक का मंचन किया गया, जो घर और बाहर पुरुषों से प्रताड़ित होती महिलाओं की कहानी को बखूबी बयां कर गया। नाटक महिलाओं के प्रति पुरुषों की पुराने ढर्रे की सोच पर सवाल उठाता है। इस नाटक की प्रस्तुति में कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अंबुज कुकरेती के निर्देशित और डॉ. तारिक महमूद का लिखा नाटक 'ढर्रा' आम जन जीवन पर आधारित है। इसकी कहानी एक परिवार में भ्रष्ट दरोगा, उसकी पत्नी और बेटे सुरेश के इर्द गिर्द घूमती है। जिसमें एक तरफ घर में पति द्वारा पत्नी को प्रताड़ित होते दिखाया गया है तो बाहर महिलाओं और लड़कियों के साथ पुरुषों के दुर्व्यवहार को उजागर किया गया। नाटक में दरोगा की भूमिका सत्येंद्र पाठक ने बखूबी निभाई। सुरेश की भूमिका में शिवम यादव और पत्नी की भूमिका में मीना सोंधी ने भी अपने अभिनय की छाप छोड़ी। इसके अलावा संजीवनी, रिया सक्सेना, जितेंद्र जीत, राजेंद्र सक्सेना, गौरव, धीरज आदि ने भी अलग अलग किरदारों को निभाया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, ट्रस्टी आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति सहित तमाम सम्मानित लोग मौजूद रहे। संवाद